Amaan
राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 660
नागराज
भानुमती का पिटारा
नागराज का एक जम्बो पोस्टर मुफ्त

इस दुनिया में दो ही चीजें हैं जिनमें सब कुछ समा सकता है। एक तो इंसान का दिल और दूसरा है...

भानुमती का पिटारा

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा : जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता

यहां पर भी कुछ नहीं है, सरकार!

किसी दबी नगरी का नामोनिशान तक नहीं है!

visit us at: www.rajcomics.com
email: rajcomics2000@yahoo.co.in.

फिर एक असफलता!
एक और असफलता!
असफलता!
मैं अब और सहन नहीं कर सकता!
अब मुझे जाना ही होगा!

अब मैं तुम लोगों के भरोसे पर नहीं रह सकता! मेरे पास अब ज्यादा वक्त नहीं है!

नहीं सरकार! ऐसा मत करो! आप चले जाएंगे तो हम खजाना लुटेरों को कानून से कौन बचाएगा!

खजाना मिलेगा तो लूटोगे न!

ये तुम लोगों की बताई बारहवीं जगह थी जहां पर खुदाई के बाद भी कुछ नहीं मिला!

अब मैं तुम लोगों के अंदाजे पर निर्भर नहीं रह सकता!

मुझको अपने खजाने को खोजने का कोई दूसरा तरीका आजमाना होगा। आधुनिक युग के वैज्ञानिक तरीके की मदद लेनी होगी!

और हां! मुझे तुम लोगों की जरूरत पड़ सकती है! तैयार रहना!

वेदाचार्य धाम में कक्षाएं शुरू होने वाली थीं-
तेरी लटें कहां गईं, चेले?
दीदी ने कटवा...
गुरू सिल्लू!
तुम यहां क्या कर रहे हो?
तेरे स्कूल में एडमिशन लेने आया हूं!
सच! मजा आ जाएगा, गुरू!
मजाक कर रहा था! वैसे मैं सोच जरूर रहा हूं! सच में!
फिर तुम क्या करने आए हो?
तेरा कंप्यूटर टीचर भी अपना चेला है! वह छुट्टी पर गया है! मैं भी एक हफ्ते के लिए फ्री था!
तो उसने रिक्वेस्ट की और तेरे स्कूल वालों की परमीशन से मैं उसकी जगह पर आ गया! अब से मैं वेदाचार्य धाम का कंप्यूटर टीचर हूं! पूरे एक हफ्ते के लिए!
ग्रेट गुरू! आओ, मैं तुमको अपनी क्लास दिखाता हूं!
आओ!

ऐ सलिल! तू मेरी हिस्ट्री की कॉपी लाया है या नहीं!
लाया हूं न! लेकिन तेरी राइटिंग बड़ी गंदी है! सोच-सोच कर नोट्स लिखने पड़े!
इसकी तो मैं... ओफ़! इसके तो बैग तक से बदबू आ रही है!
पता नहीं क्या लेकर...
अगली बार से उसकी कॉपी लेना जिसकी राइटिंग साफ हो! तेरे दिमाग की तरह! कॉपी दे!
मेरे बैग से खुद निकाल ले! गंदी राइटिंग वाली कॉपी छूकर मेरे हाथ भी गंदे हो जाएंगे!
हाऽऽऽ
...आता है?
अरे भावना!
सलिल! तेरे बैग को देखकर भावना बेहोश हो गई!
लंच में मरा चूहा लाया है क्या?
ऐ! क्या बकवास करता है?
मैं तो लंच में छोले...
ओह!
सलिल! ये भी गया!
क्या है इसके बैग में?

इसके बैग में तो...
इसके बैग में तो...
अरे! ये मेरे क्लासमेट बेहोश क्यों हो रहे हैं?
VIB
ये दोनों उस बैग में कुछ देख रहे थे!
अब हमको ही देखना पड़ेगा कि इस बैग में ऐसा क्या है जो बच्चों को बेहोश कर दे!
और ये काम हम जैसे सुपर हीरोज का है!
साडब्रो का!
ही ही ही!
ही ssssss
गुरू? गुरू भी गया! क्या है इस बैग में?

आप कहते थे न कि मैं निकम्मा हूं! नालायक हूं! पर आज... आज मैंने आपको गलत साबित कर दिया है, सर! इस बैग में वो प्राचीन अवशेष है जो...
इस बैग में मेरी वह खोज है जो प्राचीन सभ्यताओं के बारे में हमारी सोच बदल देगी सर! 'महानगर यूनिवर्सिटी' के पुरातत्त्व विभाग को पूरी दुनिया में शोहरत दिलाएगी सर!
क्या है इस बैग में टकसाल?
आपके बेटे का नाम सलिल है?
यस सर। पर आपको कैसे...
वह वेदाचार्य धाम में पढ़ता है!
हां, सर! पर आप सब क्यों...
वह छठी क्लास में है!
बिल्कुल सही सर! पर आपको ये सब कैसे पता है?

क्योंकि ये बैग आपके बेटे का है! इसमें उसकी स्कूल की किताबें और कापियां हैं!

अब तो आप मानते हैं न कि आप गधे हैं!

य... यस सर! यस सर! लेकिन अगर ये मेरे बेटे का बैग है तो मेरा वह बैग कहां है...

"... जिसमें बीस हजार साल पुरानी ममी के ये अवशेष हैं-"

ये... ये तो! ये तो... नहीं! मुझे अपने होश संभालने होंगे!

आखिर मैं एक सुपर हीरो जो हूं!

छोटा नागराज!

इस खोपड़ी पर एक विजिटिंग कार्ड भी चिपका है!

पी पी टकसाल का! कहीं ये ललित टकसाल के पापा तो नहीं हैं! जरूर वही होंगे! वे पुरातत्त्व के प्रोफेसर भी हैं!

ये अवशेष जरूर कोई महान खोज है! मुझको ये बैग सही-सलामत उन तक पहुंचाना होगा!

मेरे हेड ऑफ डिपार्टमेंट सही कहते हैं! मैं वाकई गधा हूं! लेकिन मुझे गधा मेरी बीबी ने बनाया है! आखिर उसको एक जैसे दो बैग लाने की क्या जरूरत थी!

शायद उनको ये बैग 'बाई वन गेट वन फ्री' में मिले हों!

DEPARTMENT OF ARCHEOLOGY

सलिल... और उसके दोस्त! तुम मेरा बैग ले आए!

थैंक गॉड! थैंक गॉड! थैंक गॉड!

अब मैं अपने हेड ऑफ डिपार्टमेंट के सामने अपने आपको जीनियस साबित कर सकूंगा!

DEPARTMENT OF ARCHEOLOGY

सर! सर! मैं ले आया, सर!

मैं ले आया!

अब क्या ले आए?

बीस हजार साल पुरानी ममी के अवशेष!

संभाल के!

तो ये है आपकी बीस हजार साल पुरानी ममी!

मिस्टर टकसाल, ये मम्मी नहीं है! इसे कंकाल कहते हैं!

जो भी हो सर! पर है तो ये बीस हजार साल पुरानी!

ये आपने कैसे जाना? आपने 'कार्बन-डेटिंग' की थी क्या?

'कार्बन डेटिंग' की क्या जरूरत है, सर?

इन हड्डियों का रंग ही बता रहा है कि ये बहुत-बहुत-बहुत पुरानी है!

इसके दांत देखे आपने? इन पर क्या लगा है?

तार लगा है, सर!

हां! टेढ़े दांतों को सीधा करने वाले तार!

और ये बीस हजार साल पहले नहीं लगते थे!

ये तरीका ज्यादा से ज्यादा पांच सौ साल पुराना है! और इसके दांतों में एक 'सेरामिक दांत' है! जो सौ साल पुराना आविष्कार है! ये कंकाल पचास साल से ज्यादा पुराना नहीं है! आप किसी ताजी-ताजी कब्र को खोद लाए हैं टकसाल जी! इसका मतलब समझे आप?

न... नो सर!

इसका मतलब है कि आप गधे नहीं हैं!

रियली सर?

रियली! आप बहुत, बहुत, बहुत, बड़े गधे हैं!

नाऊ गेट आउट ऑफ माई रूम!

भानुमति का पिटारा!

हां! भानुमति का पिटारा! ऐसी चीज है! भानुमति का पिटारा!

कमाल है! आपको जिस चीज के बारे में नहीं पता, उसका नाम आपको कैसे पता है ? और उसको आप ढूंढेंगे कैसे ?
भानुमति का पिटारा वह खास चीज है...
हां! याद आ गया न! भानुमति का पिटारा एक ऐसा रहस्यमय प्राचीन पिटारा है जो संदलगढ़ की रानी भानुमति के पास था! और कहते हैं कि रानी उससे जो भी चीज मांगती थी वह उसको तुरंत मिल जाती थी! उस पिटारे में ब्रह्मांड की हर देखी और अनदेखी वस्तु थी!
लेकिन आपको भानुमति के पिटारे के बारे में इतना कुछ कैसे पता है ?
और आज भी वह पिटारा प्राचीन संदलगढ़ के अवशेषों के साथ राजस्थान के रेगिस्तान में कहीं दबा हुआ है!
अगर मैं उसको ढूंढ सकूं तो...
लेकिन राजस्थान के रेगिस्तान तो समुद्र जैसे विशाल हैं! उसमें हम पिटारे जैसी छोटी चीज को कैसे ढूंढेंगे ?
शायद मैंने इसके बारे में कहीं कुछ पढ़ रखा था!
ये तो पता नहीं! बस, मुझे याद आ गया!

अगर हमको किसी तरह से संदलगढ़ की प्राचीन स्थिति का पता लग जाता तो...

यह आप मुझ पर छोड़ दीजिए! इंटरनेट पर ऐसी कई साइट हैं जिन पर प्राचीन नक्शे और ऐतिहासिक जानकारियां मौजूद हैं!

उनमें किसी न किसी साइट पर मुझको ऐसी जानकारियां जरूर मिलेंगी!

सिल्लू की उंगलियां तेज़ी से इंटरनेट की भूल भुलैया में संदलगढ़ को तलाश करने लगीं -

जल्दी करो गुरू! हम स्कूल से सिर्फ एक घंटे की छुट्टी लेकर आए हैं!

क्या करूं चेले! एक साथ पंद्रह- पंद्रह साइटें खोलकर बैठा हूं! इनमें भानुमति के पिटारे का ज़िक्र तो है लेकिन संदलगढ़ की स्थिति के बारे में कुछ भी नहीं लिखा है!

चलो, बाद में देखेंगे!

तुम भी किस चक्कर में पड़ गए विषांक, और नए सर को भी फंसा दिया!

पापा को तो ऐसे अजीबोगरीब आइडिए दस घंटों में पंद्रह बार आते हैं!

चलो! फिर मैं लैपटॉप को ऑफ कर देता हूं!

मुझे तो लगता है कि भानुमति का पिटारा सिर्फ गप्प है! अरे, ऐसा कोई पिटारा हो सकता है क्या जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाया हो?
असंभव!
है न! भानुमति के पिटारे जैसी चीज़ का होना असंभव है न?
मैं अपने लैपटाप की बात कर रहा था, सलिल!
मैंने अभी तेरे सामने इसे ऑफ किया था!
ये अपने आप फिर से ऑन हो गया है!
आपका की बोर्ड खराब होगा सर!
व्हाट!
डांटिए मत सर!
चुप रह! ये देखो विषांक! ये तो कमाल हो गया!
सचमुच गुरू! कमाल हो गया! ये तो खास संदलगढ़ की साइट है!
आखिर तुमने संदलगढ़ ढूंढ ही निकाला!
नहीं चेले! यही तो आश्चर्य की बात है!
जब मैंने इंटरनेट पर अभी सर्च किया था तो ऐसी कोई साइट उस पर थी ही नहीं!

अभी मेरे पास प्रिंटर नहीं है! शाम तक मैं इस साइट पर मौजूद नक्शों के प्रिंट आउट आप तक पहुंचा दूंगा! फिर आप नक्शों की स्टडी आराम से करते रहिएगा!
सिर्फ नक्शों से मेरा भला होने वाला नहीं है!
इतने बड़े अभियान पर जाने के लिए और इसमें इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के लिए काफी पैसा चाहिए! और अब तो मुझे यूनिवर्सिटी वाले भी स्पांसर नहीं करेंगे!
इसकी आप चिन्ता न करें अंकल! आपको स्पांसर जरूर मिलेगा!
सच में? कैसे? कब?
ये भी आपको शाम तक पता चल जाएगा!
ये तूने क्या कह दिया, विशांक? पापा को स्पांसर कौन करेगा?
भारती कम्युनिकेशंस! मैं दीदी से बात करूंगा!
लेकिन अगर सचमुच पिटारा एक गप्प निकला तो?
पता नहीं! लेकिन पता नहीं क्यों मुझे कुछ अजीब सा आभास हो रहा है! हमारे आसपास कोई रहस्यमय शक्ति है!
शायद पिटारे की शक्ति! पिटारा अगर है तो उसे ढूंढना ही होगा!

और स्कूल पहुंचकर-
सलिल सही कह रहा था विषांक! तू मिस्टर टकसाल के चक्कर में पड़कर घनचक्कर बन रहा है!
दीदी का सारा पैसा वेस्ट कराएगा! और पिटारे के नाम पर टूटा बक्सा तक नहीं मिलेगा!
मिलेगा गुरू! जरा सोचो! टकसाल अंकल के दिमाग में अचानक पिटारे का ख्याल कैसे आया! जबकि उनको उसके बारे में कुछ भी पता नहीं था!
ऐसा होता है चेले! कभी-कभी बचपन में भी पढ़ी गई बात बुढ़ापे में याद आती है!
मुझे तो लगता है कि जैसे किसी ने अनुमति के पिटारे वाली बात टकसाल अंकल के दिमाग में जानबूझकर डाली थी!
ओ, टेलीपैथी! तू हर चीज को बढ़ा चढ़ाकर क्यों सोचता है चेले!
अच्छा ये बताओ! तुम्हारा लैपटॉप अपने आप ऑन कैसे हो गया?
और उस पर संदलगढ़ की साइट एकाएक कहां से आ गई?
कंप्यूटर में ऐसी चीजें होती रहती हैं चेले! और कभी-कभी इंटरनेट देर से रेस्पांस देता है!
लेकिन इंटरनेट के लिए तो कंप्यूटर को टेलीफोन या केबल की लाइन से जोड़ने की जरूरत पड़ती है!
पड़ती है! तो?
जब कंप्यूटर अपने आप ऑन हुआ था और संदलगढ़ की साइट उस पर आ गई थी उसवक्त तुम्हारा लैपटॉप...
...मोबाइल से जुड़ा हुआ नहीं था!
हैं! सचमुच!
तब तो सच में कोई शक्ति ऐसा कर रही है! तू दीदी से बात कर विषांक!
आज ही स्कूल से घर जाकर मैं दीदी से बात करूंगा!

कहानी 19 पेज से जारी

और शाम को-
ठीक है मिस्टर टकसाल! भारती कंम्युनिकेशंस आपको स्पांसर करेगा! इस अभियान का सारा खर्च उठाएगा! बदले में इस अभियान के सारे प्रसारण अधिकार भारती कंम्युनिकेशंस के पास रहेंगे! आप राजी हैं न?
अरे! अंधा क्या मांगे? दो आंखें! आप एक भी दे देती तो पता चलता!
पर आपने तो चार-चार आंखें दे दीं!
मंजूर है! मंजूर है!
थैंक्स विपांक! तूने मेरे पापा की मदद जरूर की है पर फिर भी एक बार और सोच ले!
भानुमति के पिटारे जैसी चीज को ढूंढना मेरे पापा के बस की बात नहीं है!
अंकल भानुमति का पिटारा जरूर ढूंढेंगे! क्योंकि इस अभियान में उनकी मदद के लिए...
...हम उनके साथ जाएंगे!
येऽऽऽ अरे वाह! पर हम जाएंगे क्यों?
इस अभियान को हम अपना एजुकेशनल टूर बना लेंगे! फिर हमें कौन मना करेगा!
वैसे भी हमारी 'समर वैकेशन' तो होने वाली है!
मेरा काम तो हो गया! अब मुझे सिर्फ इन पर नजर रखनी है और इनका पीछा करना है!

तड़तड़तड़तड़तड़
अरे! गोलियों की आवाजें! क्या खजाना लूटेरे यहां तक मेरे पीछे-पीछे आ गए?
महानगर में 'टीन गैंगों' का आतंक बरकरार है! हर छोटे इलाके में ये गैंग कुकुरमुत्ते की तरह पनप रहे हैं!
आज फिर थंडर बॉल और स्पाइडर गैंग की मुठभेड़ में दो किशोर गंभीर रूप से घायल हुए हैं! पुलिस को आशंका है कि दोनों तरफ से बदले की कार्यवाही की जा सकती है!
कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन ने नागराज का सहयोग भी...
क्रिईईक
आऽऽऽह
ये बीच में कौन आ गया? खामख्वाह ही मारा गया!

तुम सबका भी यही हाल होना है, स्पाइडर मकड़ो!
यही तुम सबका भविष्य है!
पहले चादर हटाकर देख तो ले कि ये तेरे इलाके का आदमी है या हमारे इलाके का!
हो सकता है कि कोई पुलिस वाला हो!
हां, लीडर! चल देख!

लगता है किसी भुखमरे को मार डाला है हमने! चादर में गोली के छेद तो हैं लेकिन खून का एक भी धब्बा नहीं है!

अगर हमारे गैंग में शामिल हो जाता तो कम से कम बदन में खून तो...
अरे!
क्या हुआ लीडर?

चादर के नीचे तो कोई है नहीं!
व्हाट! हम सबने उसे गोली खाकर गिरते देखा था! चादर उसी के ऊपर गिरी थी!
फिर...फिर वो गया कहां? मेन-होल के रास्ते से गटर में तो नहीं चला गया!
यहां कोई मेन होल नहीं है, उचाडे!
तो फिर क्या वो भुखमरा इस चादर के अंदर घुस गया है?

शायद...
अक्... अक्...
धाँय
भागो! आऽऽऽह!
चादर अपने आप उड़कर लीडर का गला दबा रही है!
भूत है! ये कोई भूत है!
धड़ाक
कहां फंसा दिया रे! बचाओ!
पुलिस! पुलिस! आओ! हमें आकर पकड़ लो! जेल में डाल दो! पर इससे बचाओ!
आह!
चादर को बंदूकों से पीटो!
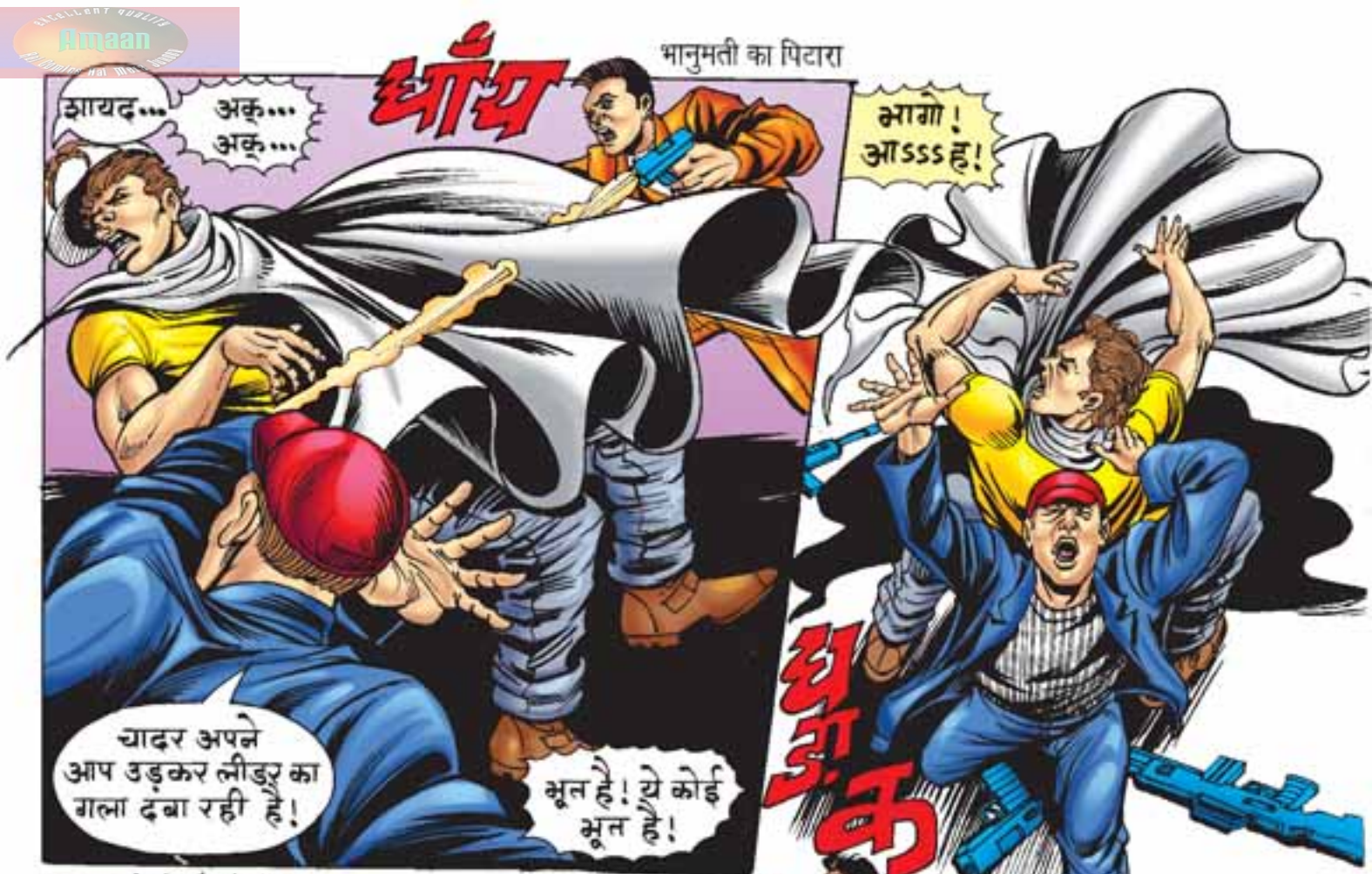
तड़ातड़ वार चादर पर पड़ने लगे-
और चादर की गाँठें खुल गईं-
आजाद होते ही टीन गैंग के सदस्यों ने पीछे मुड़कर नहीं देखा-
जब तक अभियान यहां से रवाना नहीं हो जाता तब तक शहर में शांति रहनी चाहिए!
ताकि मेरे काम में कोई अड़चन पैदा नहीं हो! इसीलिए इनको सबक सिखना जरूरी था!
सबक तो तुमको सीखना है!
मुझे पता था कि इन टीन गैंगों के पनपने के पीछे किसी न किसी का हाथ जरूर है!

लेकिन मैंने ये नहीं सोचा था कि वह हाथ भी एक टीनएज़र का ही होगा!
अब बताओ, इन गैंगों को बनाकर तुम क्या हासिल करना चाहते हो? क्यों पैदा किया है तुमने इन टीन-गैंग्स को!
तुम्हारी बातें भी उतनी ही अजीब हैं, जितना कि तुम्हारा पहनावा है!
जिस तरह से मैं तुमको नहीं जानता, उसी तरह से मैं उनको भी नहीं जानता जिनको तुम टीन गैंग का नाम दे रहे हो!
कमाल है! छः महीनों से महानगर में टीन गैंग्स को चलाने वाला महानगर के रक्षक नागराज को नहीं जानता!
चलो! अगर तुम्हारी बात मैं मान भी लूं तो ये बताओ कि इतनी बंदूकें तुम्हारे पास कहां से आईं?
ये मेरी नहीं हैं!
अब मैं चलता हूं! ज्यादा बातें करना मेरी आदत नहीं है!

बिगड़े हुए बच्चे लगते हो तुम! अब तो पुलिस या साइकैट्रिस्ट ही तुम्हारी ज़ुबान खुलवाएंगे!

मुझे बच्चों के साथ ऐसा करना अच्छा तो नहीं लगता लेकिन मुझे तुमको सुधारने के लिए तुमको गिरफ्तार करना ही पड़ेगा!

चलो, मेरे साथ पुलिस स्टेशन!

तुमने शायद सुना नहीं मैंने क्या कहा! मैंने कहा कि मुझे जाना है!

आऽऽऽह!

इसने तो मुझे तिनके की तरह उड़ा दिया! इतनी शक्ति किसी मामूली किशोर में नहीं हो सकती!

ये चक्कर कुछ और ही है!

और अब तो मुझे इस रहस्य की तह तक पहुंचना ही पड़ेगा!

और यह रहस्य जानने के लिए...
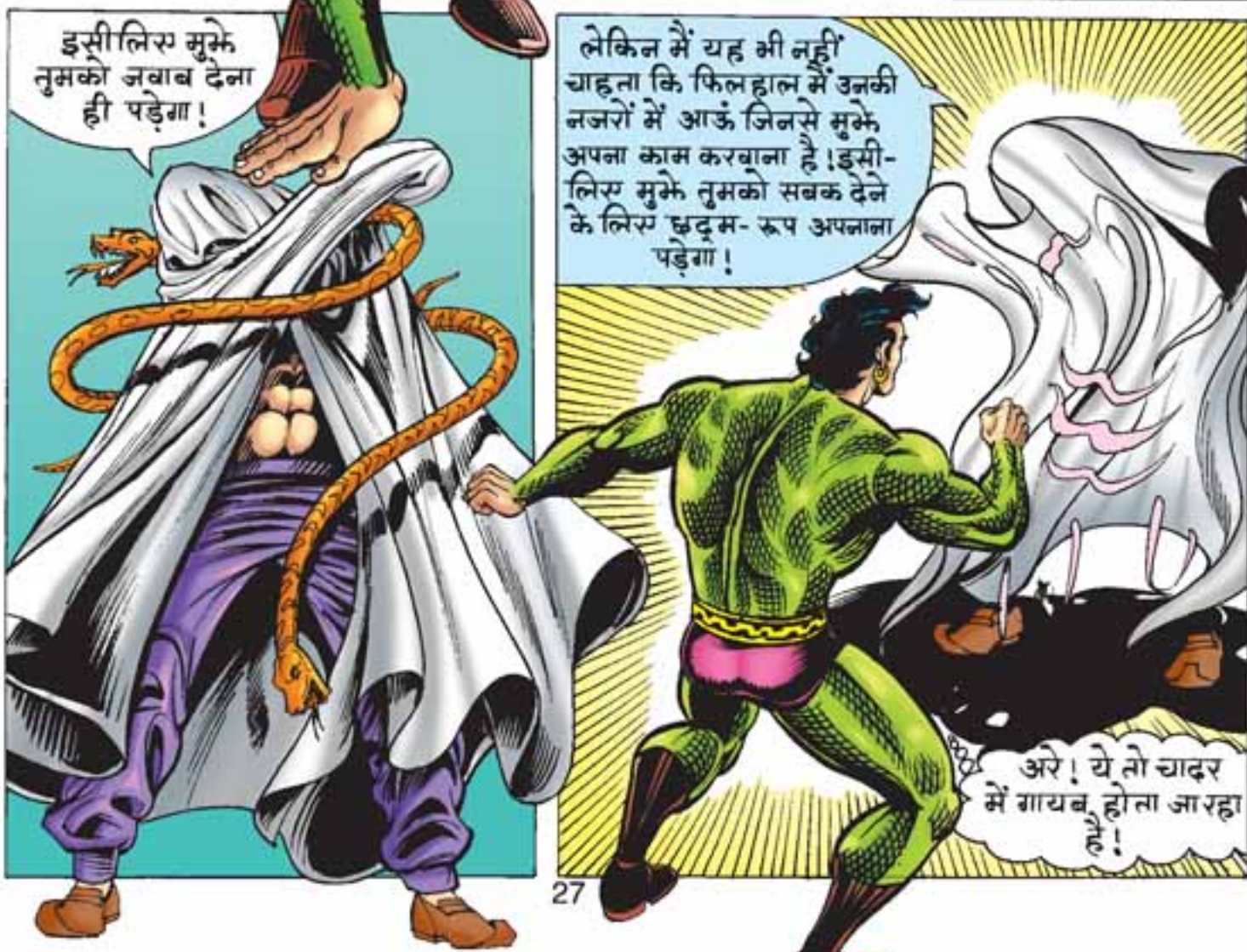
मुझे इस रहस्यमय किशोर को काबू में करना ही पड़ेगा!
ओह! मुझे तुम समझदार इंसान लगे थे! लेकिन तुमने मेरी चेतावनी के बाद भी मुझ पर हमला करने की चेष्टा की!
इसीलिए मुझे तुमको जवाब देना ही पड़ेगा!
लेकिन मैं यह भी नहीं चाहता कि फिलहाल मैं उनकी नजरों में आऊं जिनसे मुझे अपना काम करवाना है! इसीलिए मुझे तुमको सबक देने के लिए छद्म-रूप अपनाना पड़ेगा!
अरे! ये तो चादर में गायब होता जा रहा है!

गोलियों की बौछार ने नागराज के शरीर को हवा में उड़ा दिया-

देखा! अगर तू मेरा रास्ता न रोकता तो अभी तेरी सांसें चल रही होतीं!
मेरी सांसे अभी भी चल रही हैं! ये नाटक तो तुमको चादर से बाहर निकालने के लिए मुझे करना पड़ा!
अब तक मैं तुमको सामान्य इंसान समझ-कर वार कर रहा था! पर अब मुझको...
ओह! तुम पर गोलियों की बौछार भी बेअसर रही! यानी तुममें कुछ अद्भुत शक्तियां हैं!

... तुझ पर वे वार करने होंगे जो यक्ष और गंधर्वों तक को विचलित कर सकते हैं!
जैसे ये वार!
यक्ष! किन्नर! ये तो महाभारत युग की बातें करने लगा!
आऽऽऽह!
अब तुम मुझे रोकने की हालत में नहीं हो, नागराज!
चलता हूं!
पर तभी-
अरे!

मैं यहां हूं, बच्चे!
और तेरे खेलने का समय खत्म हो गया है! अब सोने का समय हो गया है!
आऽऽऽह! विषैली फुंकार! मुझ पर बेहोशी छा रही है! लेकिन क्यों? धरती का कोई भी विष मुझ पर असर नहीं कर सकता!
आऽऽह!
ये विष धरती का है भी नहीं! ये देव कालजयी का विष है, बच्चे!
फूऽऽ
आऽऽऽह! मेरा काम यहीं खत्म नहीं हो सकता! नहीं हो सकता! मुझे बचना होगा! अपने आपको संभालना होगा!
अरे! ये चादर उड़कर ठीक मेरे ऊपर आ रही है!
और... और इसका आकार भी बढ़ता जा रहा है!

देखते ही देखते नागराज एक विशाल चादर की आगोश में था-
चादर के ऊपर से उसकी आकृति के उभार साफ नजर आ रहे थे-
लेकिन देखते ही देखते वे उभार मिटने लगे-
और चादर सपाट हो गई-
पर नागराज कहां चला गया ?

कहानी 35 पेज से जारी

डोगा का इंसाफ है कान के बदले कान। हाथ के बदले हाथ। जुनून के बदले जुनून और खून के बदले खून।
लेकिन तब क्या होगा जब डोगा बकरे के बदले करेगा इंसान का खून? हाहाहा!
मूल्य: 20/-
1 अप्रैल 2006 से उपलब्ध
सफेद कॉलर नाम का ये अपराधी बना कर ही रहेगा डोगा को...
...डुगडुगी डोगा
राज कॉमिक्स में रात के रक्षक डोगा का सुपर थ्रिलिंग कॉमिक विशेषांक

Amaan
फैसला कर ले नागराज!
आज से या तो तू पूर्ण मानव बनकर रहेगा...
...या पूर्ण सर्प
वर्ष 2006 से उपलब्ध
और मेरा आदेश तुमको हर हाल में मानना होगा क्योंकि मैं हूं नाग न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश...
क्या चुनेगा नागराज?अपनी सर्प शक्तियां या फिर अपना स्वाभाविक मानव रूप? चुनाव कठिन है। पर फैसला तो हो चुका है...
नागाधीश
और इस फैसले की प्रति को आपके पास लेकर आ रहा है राज कॉमिक्स का यह चुनिंदा विशेषांक

ये मैं कहां आ गया हूं? चारों तरफ सिर्फ अंधेरा है!
न पैरों के नीचे जमीन महसूस हो रही है, और न ही मेरे हाथ किसी भी चीज का स्पर्श कर पा रहे हैं!
ये कौन सी जगह है? कोई जगह है भी या नहीं?
या चारों तरफ सिर्फ शून्य है!
मुझे यहां से निकलना होगा! लेकिन किस दिशा में जाऊं मैं? यहां न तो कोई दिशा है, और न ही बाहर निकलने का कोई रास्ता!

नागराज, अंधेरे का कैदी बन चुका था-
लेकिन बच्चों को आज़ादी की उम्मीद थी-
नहीं नहीं नहीं!
मैं तुम लोगों को टकसाल जी के साथ राजस्थान के रेगिस्तान में जाने की इज़ाज़त नहीं दे सकती!
पर क्यों दीदी?
हमारी गर्मी की छुट्टियां तो हो चुकी हैं!
हम अपना होमवर्क भी साथ ले जाएंगे! वहीं पर पूरा कर लेंगे!
बात होमवर्क की नहीं है! ऐसी जगहें काफी खतरनाक होती हैं! एक तो रेगिस्तान की तेज गर्मी और ऊपर से जहरीले जीव जंतुओं का खतरा!
जहरीले जीव-जंतु हमारा क्या बिगाड़ लेंगे?
ये तो मैं भूल ही गई थी!
बहस मत करो! बिना नागराज से पूछे मैं तुमको रेगिस्तान में जाने की इज़ाज़त बिल्कुल नहीं दे सकती!

लेकिन नागराज तो दो दिनों से दिखाई तक नहीं पड़ा है! हमको तो कल ही जाना है!
हूम! ऐसा हो सकता है! वह कुछ बताकर भी तो नहीं गया है!
अगर नागराज कल तक न आया तो?
पर हम तो बताकर जा रहे हैं न!
बच्चों को ईजाजत दे दो, भारती!
दादाजी! और आपके साथ टकसाल जी भी हैं!
क्या पट्टी पढ़ाई है इन्होंने आपको?
मैं ऐसे अभियानों पर कई बार जा चुका हूं। मैंने कभी किसी खतरे का सामना नहीं किया!
और अगर ऐसा होता तो भला मैं अपने बेटे सलिल को साथ ले जाने का प्रोग्राम क्यों बनाता?
विषांक पर कोई खतरा नहीं आएगा, भारती! उसकी मदद करने वाले तो चप्पे-चप्पे पर मौजूद हैं! क्योंकि वह तो...
दादा जी, चुप रहिए!
मैं समझ गई, समझ गई! विषांक जा सकता है! और सिल्लू भी! अगर सिल्लू के पेरेंट्स इसकी इजाजत दे दें तो!
अरे, आप तो मेरी मम्मी की बॉस हैं!
आपने 'हां' कह दिया, तो भला वे कैसे इंकार कर सकती हैं! चल चेले!
आओ, गुरू! पैकिंग-शैकिंग करते हैं!

ये आपने क्या कर दिया दादा जी ? अगर विषांक को कुछ हो गया तो हम नागराज और विसर्पी को क्या जवाब देंगे ?
आखिर उन्होंने विषांक को हमारे भरोसे ही तो यहां पर छोड़ रखा है!
लेकिन है तो वह एक बच्चा ही न!
मुझे तो न जाने क्यों चिन्ता हो रही है!
बच्चों के लिए चिन्ता करना स्त्रियों के लिए स्वाभाविक है! विषांक खतरों को दूर करने वाला बच्चा है! खतरे से डरने वाला नहीं!
विषांक मामूली बच्चा नहीं है भारती! वह इच्छाधारी नागों का होने वाला सम्राट है!
उस पर तो खतरा आ ही नहीं सकता!
राजस्थान और रेगिस्तान! ये शब्द जितने-मिलते जुलते हैं-
उतना ही रेगिस्तान, राजस्थान प्रांत में घुला-मिला है-
राजस्थान सच में बहुत खूबसूरत जगह है!
यह प्रांत जितना अच्छा है उतने ही अच्छे यहां के लोगों के दिल भी हैं!
सिल्लू, तुम नक्शे लाए हो न! जरा दिखाओ मुझे! मेरे अनुमान से हम संदलगढ़ के आसपास ही हैं!

ये देखो! ये रहा संदलगढ़ और ये रहा जयपुर! जहां पर हम इस वक्त हैं! अब हमको पश्चिम की तरफ जाना है!
आपने जब इस नक्शे पर संदलगढ़ का निशान लगाया था, तब भी आपने नक्शे को ऐसे ही रखा था क्या?
हां! पर क्यों?
क्योंकि आपने नक्शा उल्टा रखा हुआ है! संदलगढ़ यहां है! और ये जयपुर नहीं उदयपुर है! हम उल्टे रास्ते पर आ गए हैं! संदलगढ़ दूसरी दिशा में है!
क्या, पापा? आप तो... बस!
अरे होता है! संदलगढ़ इधर नहीं, उधर सही! पर है तो आस-पास ही न!
कहीं मैंने गलत इंसान पर दांव तो नहीं लगा दिया! ये तो मूर्ख लगता है! ऊपर से तीन-तीन बच्चों को बटोर लाया है! पता नहीं ये संदलगढ़ को ढूंढ भी पाएगा या नहीं!
OH DU
प्रोफेसर टकसाल के पास तर्क शक्ति की कमी तो थी, लेकिन अनुभव पूरा था-

और मुसीबत के समय में अनुभव ही काम आता है-

जल्दी ही प्रोफेसर टकसाल ने नक्शे पर अंकित संदलगढ़ की साइट पर अपना तंबू तान दिया था-

ये जगह तो कई किलोमीटर लंबी और चौड़ी है! और प्राचीन संदलगढ़ ज्यादा बड़ा राज्य तो नहीं था! फिर आप संदलगढ़ को ढूंढेंगे कैसे?
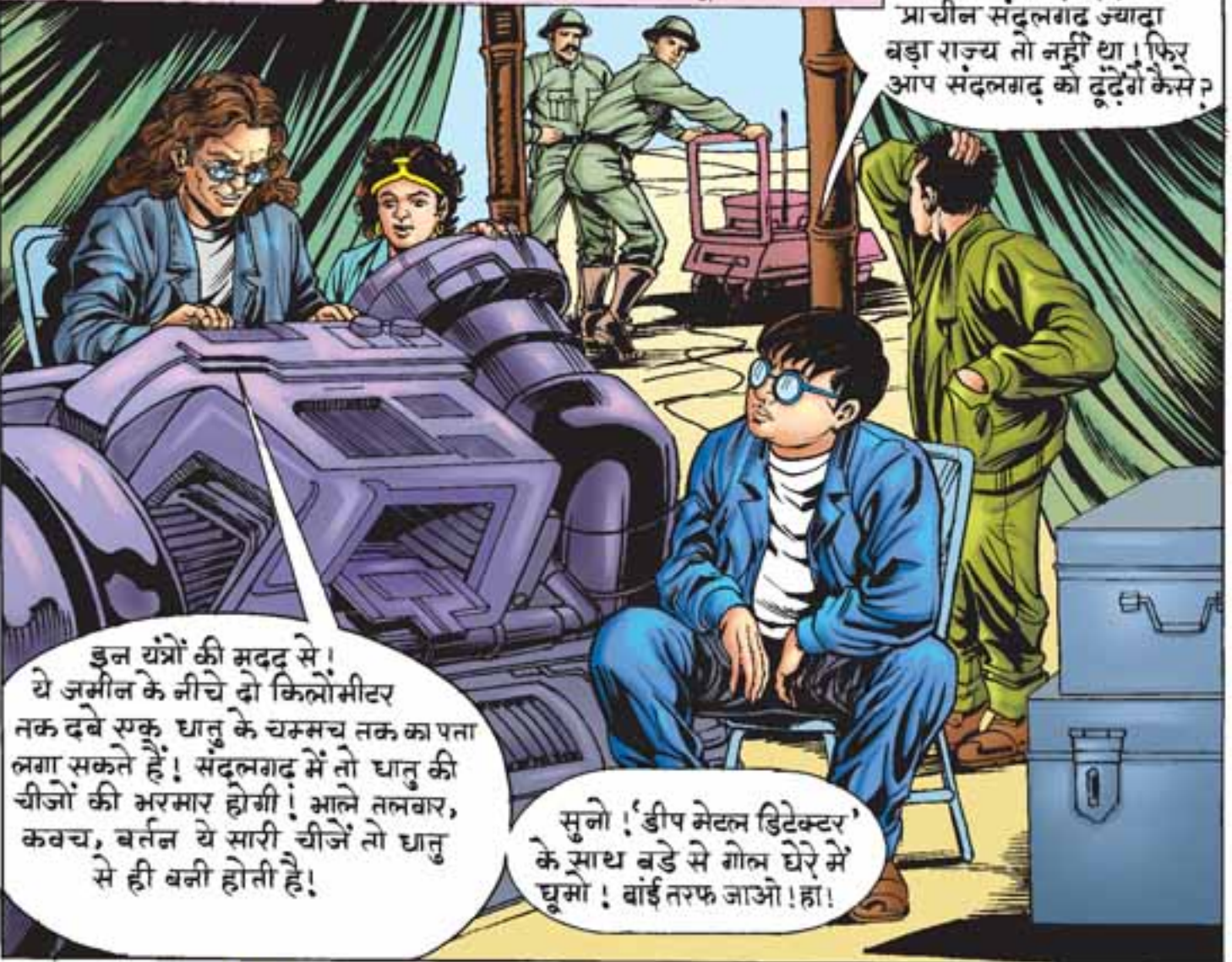
इन यंत्रों की मदद से! ये जमीन के नीचे दो किलोमीटर तक दबे एक धातु के चम्मच तक का पता लगा सकते हैं! संदलगढ़ में तो धातु की चीजों की भरमार होगी! भाले तलवार, कवच, बर्तन ये सारी चीजें तो धातु से ही बनी होती हैं!

सुनो! 'डीप मेटल डिटेक्टर' के साथ बड़े से गोल घेरे में घूमो! बांई तरफ जाओ! हां!

जल्दी ही खुदाई का काम शुरू हो गया-

और सूरज ढलते-ढलते नजर आने लगे थे-

संदलगढ़ के अवशेष!

आखिर मैंने ढूंढ ही निकाले संदलगढ़ के अवशेष!

अमर हो गया है प्रोफेसर टकसाल का नाम!

लेकिन अभी तो आधा ही काम हुआ है! हमने संदलगढ़ के अवशेषों को तो ढूंढ लिया है!

लेकिन अभी उस पिटारे को ढूंढना बाकी है जिसको पाने के लिए हमने संदलगढ़ को ढूंढा है!

सही कहा! वह एक कीमती चीज है! इसीलिए उसको हम खुद ढूंढ लेंगे! मजदूरों की मदद नहीं लेंगे!

तुम तीनों बच्चे तीन अलग-अलग दिशाओं में जाओ और उस पिटारे को ढूंढो! चौथी दिशा में मैं जाऊंगा! हम सबके पास वॉकी-टॉकी है! उससे हम एक-दूसरे के संपर्क में रहेंगे!

जाओ!

ओऽऽऽ कितना घुप्प अंधेरा है! कहीं यहां पर संदलगढ़ वालों के भूत-वूत तो नहीं...

...नहींऽऽऽ भूत-पिशाच निकट नहीं आवें, महावीर जब नाम सुनावें! जय हनुमान जय हनुमान जी जी जी!

भानुमति के चमत्कारी पिटारे की खोज जारी थी-

और किसी और को भी इस खोज का बेसब्री से इंतजार था-
देखा! जो काम तुम्हारा अनुभव बारह सालों में नहीं कर पाया, उसको वैज्ञानिक विधि ने बारह घंटे में कर दिया!
अब जाओ! समय आ गया है!
धांय धांय
अरे! गोलियों की आवाजें!
हमारे गार्ड गोलियां कैसे चला रहे हैं?
उनके पास बंदूकें तो हैं ही नहीं!
ईssss!
सलिल! यहां से भागो! लुटेरे आ गए हैं!

ये हम सबकी जान...
धांय!
आsss
मारी गयो!
पापा! पापा!
वॉकी टॉकी ने यह चेतावनी-
तीनों बच्चों तक पहुंचा दी थी-
गुरू! अब तो होना ही पड़ेगा शुरू!
ठीक है चेले! मेरी तैयारी पूरी है!
जो मिले मारते जाओ! हमें भानुमति का पिटारा किसी भी कीमत पर सरकार तक पहुंचाना है!
भारत सरकार के पास!
मुझे भी उस पिटारे को सरकार तक पहुंचाना है!
ऐरे, छोरा! नौटंकी सा भागकर आया है के?
उतार दे गोली छोरा के भेज्जा मां!

गोलियां, 'छोरा' को छलनी बना देने के लिए आगे बढ़ीं–

लेकिन बीच में ही उनका रास्ता मुड़ गया–

गोलियां, छत से टकराईं–

और डकैतों को ऊपर से गिरती चट्टानों ने अपना निशाना बना डाला–

ये डकैत संख्या में बहुत ज्यादा हैं! और ये भानुमति का पिटारा ढूंढ़ने के लिए ही यहां आए हैं!

लेकिन इनको ये कैसे पता चला कि यहां पर कोई अभियान दल भानुमति के पिटारे को ढूंढ़ने के लिए यहां पर आया है!

खैर, ये तो पता चल ही जाएगा! फिलहाल तो सलिल और गुरू की जान बचानी ज्यादा जरूरी है!

सिल्लू भी 'सुपर हीरो' का अवतार ले चुका था–

मैंने तो सोचा था कि ये डकैत मेरे सुपर हीरो के रूप से इम्प्रेस होकर डर जाएंगे! लेकिन आजकल तो कोई सुपर हीरो को कुछ समझता ही नहीं है!

अब इस खंडहर में मुझे मेरा कंप्यूटर ज्ञान तो बचा नहीं पाएगा!...

इसीलिए दिमाग का इस्तेमाल कुछ दूसरी तरह से करना पड़ेगा!
भागने का रास्ता ढूंढना होगा!
'साइब्रो' की सोच तो जरूर बड़ी थी-
लेकिन बाहर भागने का रास्ता जरा तंग था-
कहीं से छोरा पिटारा लेकर तो नहीं भाग रहा है! गोली मत मार! खींच इसे वापस!
माड़ गोली &#* के!
ओए, वो रहा म्हारा छोरा! भागड़े की कोसिस में फंस गया है!
ओए! बड़ा भारी है, मोटा!
धड़ाक
आऊ!
किन्ने मारा?
मुझे मोटा कहता है! अरे, अक्ल तो तेरी मोटी है जो मेरी पत्थर भरी पेंट को पकड़ रहा था!
साइब्रो ने भी मुसीबत को कुछ देर के लिए टाल दिया था-

लेकिन सलिल पर डर ने पूरी तरह से कब्जा जमा लिया था-

इन्होंने मेरे पापा को मार डाला! मुझे भी मार डालेंगे! मैं तो मदद के लिए चिल्ला भी नहीं सकता! वर्ना ये हत्यारे मेरी पोजीशन को जान जाएंगे!

अरे! यहां पर तो कोई गुप्त द्वार है!

इसको जरूर रानी भानुमति ने खतरे के समय, छुपने के लिए बनाया होगा!

लेकिन अगर ऐसा है तो खतरा आने पर रानी भानुमति यहीं पर छुपी होगी, और...

...और अभी तक यहीं पर होगी! ईssssss

ये जरूर रानी भानुमति ही होगी! इसके पास एक बक्सा भी है!

कहीं यही... भानुमति का पिटारा तो नहीं है!

लेकिन रानी की कलाई पर अजीब सा बड़ा सा कड़ा कैसा है!

हड्डी पर हाथ रखते ही-

कड़ा हड्डीली कलाई से फिसलकर सलिल की कलाई पर आ कसा-

ऊ... ऊ... ये क्या हो रहा है!
डर लगना भी चाहिए था-
क्योंकि मौत दरवाजे तक आ चुकी थी-
कड़ा मेरी कलाई पर कस गया है और... और ये पिटारा अपने आप उड़कर मेरे हाथों में आ रहा है!
आधुनिक जूतों के निशान! यहाँ से कोई अंदर गया है!
पर क्यों? मुझे तो डर लग रहा है!
कोई गुप्त दरवाजा होगा! बम से उड़ा दो चट्टान को!
आऽऽऽह! तो इक और छोरा है यां पे! और इसी के पास है पिट्टारा! ला... ला! दे दे!
हैं! नहीं!
नहीं!
ओह! दरवाजा टूट गया! हत्यारे अंदर आ रहे हैं! बचाओ! बचाओ मुझे! कोई तो बचाओ!

ईईऽऽऽऽऽऽयाTTTTTऽऽऽऽऽऽऽऽ
ये तो किसी वयस्क के चीखने की आवाज है! ये जरूर लुटेरों की ही आवाज होगी! लेकिन वे चीख क्यों रहे हैं?
चेले! चेले!
बोलो, गुरू!
चेले, ये चीखने की आवाज उसी दिशा से आई है, जिधर सलिल गया था! मैं उसी तरफ जा रहा हूं! तुम भी आ जाओ!
ओ. के. गुरू!
मैं अभी आया!
और कुछ ही पलों के बाद-
श श श, गुरू! जरा संभलकर! लुटेरे भी अपने साथियों की आवाजें सुनकर यहां आ गए हैं!
हमको संभलकर आगे जाना होगा!
अरे! ये लुटेरे तो पीछे भाग रहे हैं! ये किसी चीज से डर रहे हैं!
पर ऐसी चीज क्या हो सकती है जो ऐसे खूंखार डकैतों को इतना भयभीत कर दे!

बिल्लारा!
ओ गॉड! ये तो कोई बहुत खतरनाक सा प्राणी लग रहा है! पर ये प्राणी आया कहां से?
कहीं ये कोई ऐसा प्राणी तो नहीं है, जिसको किसी शक्ति ने इस महल की रक्षा के लिए छोड़ रखा हो?
खैर, कुछ भी हो! फिलहाल तो ये हमारी मदद कर रहा है!
लुटेरों को हमारे रास्ते से हटा रहा है!

बिल्लारा, 'दुश्मनों' को अपने रास्ते से ऐसे हटाता जा रहा था, जैसे कि लुटेरे वहां पर थे ही नहीं-
आओ, गुरू! अब हम सलिल को देखते हैं! कहीं बिल्लारा ने उसको भी अपने रास्ते से हटा न दिया हो!
अब तो कहीं पर भी जाना मुश्किल है, चेले!
क्योंकि अब बिल्लारा हमारी तरफ आ रहा है!
इसके अनुसार मैं और तुम भी इस महल में घुसने वाले लुटेरे हैं!
इसको रोको! वर्ना लुटेरों की तरह हमारे कंकाल भी इस महल के फर्श पर पड़े होंगे!
इसको रोकना मेरे बूते से बाहर की बात है! गुरू! बचने का फिलहाल तो एक ही रास्ता है!
बाहर का रास्ता!
भागो!

अरे! ये... ये तो बिल्लारा है! पिटारे में मौजूद एक शक्ति! यानी पिटारा किसी के हाथ लग गया है! और वह हाथ मेरे किसी आदमी का नहीं है!
अगर इसने मुझको यहां पर देख लिया तो गजब हो जाएगा! ये मेरे पीछे पड़ जाएगा, और मुझे खत्म किए बगैर नहीं मानेगा!
मुझको यहां से जाना होगा! और गायब होकर पूरे घटनाक्रम पर नजर रखनी होगी!
सरकार का शरीर पहले तो पूरा रेत में बदलता चला गया–
और फिर रेत, रेत में मिल गई–
लेकिन साइक्लो और छोटा नागराज के लिए बच पाना इतना आसान नहीं था–
हूफ! हूफ! अब मैं और नहीं भाग सकता! वर्ना मैं स्लिम हो जाऊंगा!
तो फिर हमको इसका मुकाबला करना ही पड़ेगा!
वैसे भी भागने में हम इसका मुकाबला नहीं कर सकते!

जीवित प्राणी इसके 'शरीर' के पार जाकर कंकाल बन जाते हैं! लेकिन अगर इसके पार जाने वाली चीज जीवित न हो तो क्या होगा?
जैसे कि ये चट्टान?
बिल्कुल सही, गुरू!
चट्टान तो इसके पार जाकर पिघलकर लावा बन गई है!
ये हमको पहले ही समझ जाना चाहिए था! बिल्लारा एक चलती फिरती भट्ठी जैसी चीज है!
ये हर चीज को जलाकर खाक कर सकती है! मेरा स्पेक्ट्रो- थर्मल स्कैनर' बता रहा है कि ये एक 'प्योर-एनर्जी' का बना प्राणी है और इसका 'टेंपरेचर' दो हजार डिग्री सेंटीग्रेट है!
इस दुनिया की कोई भी चीज इसको रोक नहीं सकती।
अगर ये एनर्जी के बदन वाला प्राणी है तो इससे दूसरा एनर्जी बॉडी वाला ही लड़ सकता है!
लेकिन दूसरा एनर्जी बॉडी वाला आएगा कहां से?
आएगा, गुरू! आएगा!
छोटा नागराज लड़ेगा इससे!
इसको छोटा नागराज की मेंटल-एनर्जी रोकेगी!

'मेंटल एनर्जी' की बॉडी वाला नागराज, बिल्लारा से टकरा गया-
शाबाश, छोटा नागराज! बक अप! बक अप! तुमने इसको पटक दिया है! अब इसको उठने मत देना!
उठने मत देना!
अरे! अब ये तुझे पीट रहा है! क्या हुआ, छोटा नागराज?
तुम्हारे चिल्लाने से मेरा 'कंसेन्ट्रेशन' लूज हो रहा है साइब्रो! थोड़ी देर के लिए मुंह बंद रखो!
सॉरी, सॉरी! मैं जरा सा एक्साइटेड हो गया था!
लो, मैंने मुंह पर जिप लगा ली!
छोटा नागराज एक बार फिर बिल्लारा पर हावी होने लगा-

और उसने बिल्लारा को अपने अंदर समेटना शुरू कर दिया-
अब मैं इसको अपनी 'मेंटल फॉर्म' के अंदर समेटकर इसको इतना दबा दूंगा कि इसका सारा आकार मटर के दाने जितना हो जाएगा!
छोटा नागराज, मानसिक शक्ति का पूरा प्रयोग करके बिल्लारा को दबाता जा रहा था-
लेकिन ऊर्जा जैसे-जैसे संकुचित होती है, वैसे ही वैसे उसका प्रेशर भी बढ़ता जाता है-
और कभी-कभी प्रचंड मानसिक शक्ति भी उस प्रेशर को सह नहीं पाती है-
आऽऽऽह!
क्या हुआ छोटा नागराज?
तुम पिट कैसे गए?
आऽऽऽह! इसका प्रेशर मैं सह नहीं पाया!
मेरे सिर में बहुत तेज जलन हो रही है!
आऽऽऽह!
अब दोनों सुपर हीरो की जिन्दगी दांव पर लग चुकी थी-

और उनके आसपास हथियार के नाम पर सिर्फ रेत ही रेत थी-
हट! हट, दूर हट! ये तो छींक भी नहीं मार रहा है!
एक मिनट! साइब्रो रेत इसके अंदर फंसकर रह गई है, और पिघलकर एक पारदर्शी बूंदें बना रही है!
इसको अपने कंप्यूटर से चेक करो कि ये क्या चीज है!
मेरा स्पेक्ट्रोमीटर इन बूंदों को सिलिका की बूंदें बता रहा है!
लेकिन ये बूंदें जलकर भस्म क्यों नहीं हो रही है?
क्योंकि सिलिका बहुत हाई टेंपरेचर भी सह सकता है! आसानी से नष्ट नहीं होता!
फिर तो रास्ता मिल गया, साइब्रो! अब देखो मेरा कमाल!
छोटा नागराज की मानसिक शक्तियां रेत का बवंडर उठाने लगी-
और वह बवंडर, बिल्लारा को अपनी गिरफ्त में लेने लगा-

और जब वह बवंडर थमा तो-
ओ हो ! रेत के बेहिसाब कण ! इसके शरीर चिपक गए हैं, और उन्होंने पिघलकर इसके शरीर के चारों तरफ माइका का एक तरल खोल बना दिया है !
बिल्कुल ठीक साइब्रो !
जैसा मैंने सोचा था, ठीक वैसा ही हुआ है !
अब मैं इस पर वार कर सकता हूं ! सिलिका के खोल में ढंके इसके 'शरीर' के टुकड़े अलग-अलग हो जाएंगे और फिर जुड़ नहीं पाएंगे !
कड़ड़ाक
और ऐसे खत्म हो जाएगा बिल्लारा !
वाह, छोटा नागराज ! तुमने तो हमारी जान बचा दी !
लेकिन ऐसा तुम्हारी मदद से ही संभव हो पाया है साइब्रो !
अब चलो ! जरा सलिल की खोज खबर लेते हैं !
ये दोनों बच्चे तो कमाल के हैं !
जिस प्राणी से मैं बचकर भाग रहा था ! इन्होंने उसका सामना करके उसको नष्ट कर दिया !
एक बच्चे का रूप भी उस खतरनाक नागराज से मिलता-जुलता है ! मुझे इन से सावधान रहना होगा !

अब मुझको यह देखना है कि वह पिटारा किसके हाथ लगा है!

मुझको किसी भी तरह से पिटारे को हासिल करना ही होगा!

पिटारा जिसके पास था, उसका कहीं अता-पता ही नहीं था-

उधर भी देख लिया?

हां, छोटा नागराज! चारों तरफ कंकाल ही कंकाल बिखरे पड़े हैं! सलिल और प्रोफेसर कहीं नजर नहीं आए!

कहीं बिल्लारा ने उनको भी तो... नहीं, नहीं! ऐसा नहीं हो सकता!

ऐसा नहीं तो फिर कैसा हो सकता है!

अगर वे जिन्दा हैं और यहां पर नहीं हैं तो फिर वे हैं कहां पर?

कहीं ऐसा तो नहीं कि उनको पिटारा मिल गया हो और वे दोनों उसको लेकर निकल लिए हों?

पर प्रोफेसर तो घायल थे!

अब एक ही रास्ता है! हम महानगर वापस चलते हैं! प्रोफेसर पिटारा लेकर अपने कॉलेज तो जाएंगे ही न! हम वहीं चलते हैं!

फिर दो दिनों का सफर! खैर जाना तो है ही!

महानगर-

या फिर महा खतरनाक नगर-

हमको यहीं से 100 नंबर पर फोन किया गया था!

और वह कॉल बेमतलब की नहीं थी!

ये टीन-गैंग जरूर किसी बड़े चक्कर में है!

COLLEGE

वो तो समझ में आ रहा है! पर ये समझ में नहीं आ रहा है...

...कि इनके पास ये अजीबो-गरीब हथियार कहां से आए?

ये तो भविष्य से इंपोर्ट किए हुए लगते हैं!
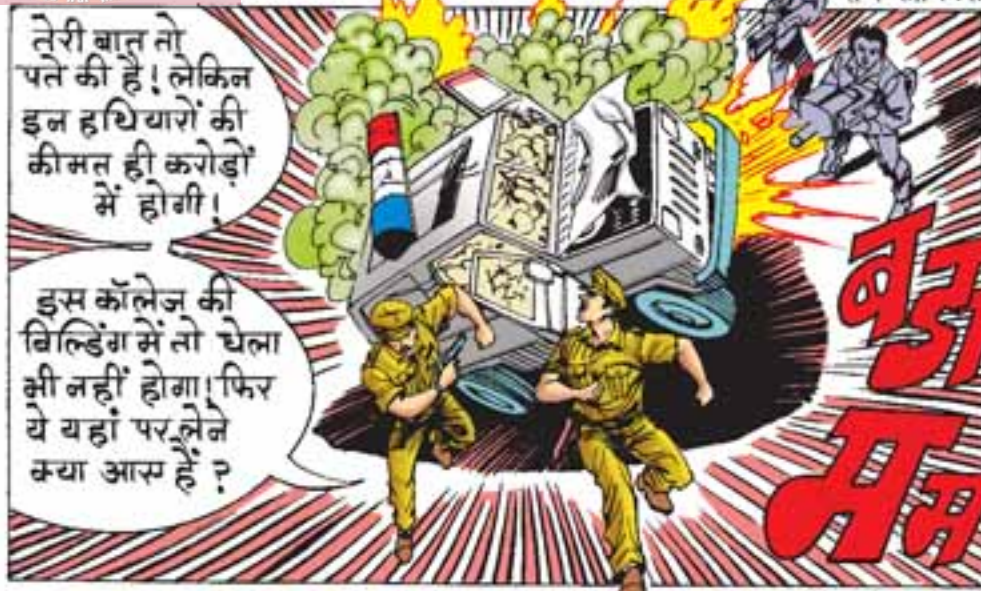
तेरी बात तो पते की है! लेकिन इन हथियारों की कीमत ही करोड़ों में होगी!
इस कॉलेज की बिल्डिंग में तो धेला भी नहीं होगा! फिर ये यहां पर लेने क्या आए हैं?
धड़ाम
बदला!
तुम लोगों ने जो मेरे पापा का अपमान किया है, ये उसका बदला है!
वे मर गए और मैं कुछ नहीं कर पाया! अब तुम मरोगे और कोई कुछ नहीं कर पाएगा!
बेटे!... गधा तो मैं था जो तेरे पापा को गधा समझता रहा!
तेरे जैसी औलाद तो कोई गधा पैदा ही नहीं कर सकता! तेरे पापा तो शेर थे शेर!
अब मान जा, बेटे! छोड़ दे मेरे को! मैं तेरे पापा की याद में इस कॉलेज का नाम टकसाल कॉलेज रखवा दूंगा!
पापा का स्मारक तो मैं बनवाऊंगा!
अब देख मेरा भयानक बदला!
पिटारा!

निगल जा इस कॉलेज को! नामो निशान मिटा दे इसका!
ये... ये क्या चीज़ है! इस बक्से के तो नुकीले दांत हैं!
हैं, पर ज़रा गंदे हैं! इनको टूथब्रश करना पड़ेगा!
कौन?
जहां तक मैं जानती हूं, तुम्हारा नाम सलिल है, और ये कॉलेज लंच या डिनर नहीं है जिसको कोई निगल जाए और डकार भी न ले!
और रही मेरे नाम की बात तो मेरा नाम फ्लेमिना है! टकराओगे तो खाक हो जाओगे! वापस चले जाओ!
कौन है जो महानायक को चुनौती देने का साहस कर रहा है?
तू मेरा नाम कैसे जानती है? खैर, अब तू अपना नाम भी भूल जाएगी!
पिटारा! आग बुझा दे इसकी!
आऽऽऽऽ! ये कैसा फायर-एक्सटिंग्विशर है? और... और इतना बड़ा साइज़ इस छोटे से पिटारे में कैसे आ गया?
हा हा हा! तेरी सारी गर्मी निकल गई न! अरे तेरे जैसी छोटी-मोटी पॉवरवाले प्राणी तो मेरे पिटारे में हज़ारों लाखों की संख्या में भरे हुए हैं!

तो फिर इनको भी अपने पिटारे में बंद कर लो!
अरे! अरे! ये सारे के सारे पिट गए! इतने अच्छे हथियार पास में होने के बावजूद!
किसने पीटा इनको?
मैंने! छोटा नागराज ने!
मेरा नाम भी ले ले! अहां SSSS
और साइब्रो ने!
ये अजीबोगरीब जोकर कहां से आ रहे हैं! क्या पिटारे का कोई छेद खुला रह गया है?
तुम्हारे दिमाग में छेद हो गया है!
इन टीन गैंग्स को अपने कब्जे में लेकर तुम आखिर क्या हासिल करना चाहते हो?
उस दुनिया की बरबादी जिसमें मेरे पापा को घुट-घुटकर जीना पड़ा! और तड़प-तड़पकर मरना पड़ा! मैं उनके हर दुश्मन का वही हाल करूंगा जो उन्होंने मेरे पापा का किया था!
शार्की!
पर अब शायद ये काम टीन के बने इन टीन-गैंग्स के बस का नहीं है! कोई बड़ी शक्ति चाहिए!
हवा में उड़ती शार्क!

लेकिन इससे पहले कि शार्की के जबड़े हेड ऑफ डिपार्टमेंट को जकड़ पाते-
ओरु! क्या कर रहा है छोटा नागराज? हम चौथी मंजिल पर हैं!
हम गिर रहे हैं! हम गिर रहे हैं!
अरे! हम तो उड़ रहे हैं!
आई एम सुपर मैन!
अरे! अरे! हम फिर गिर रहे हैं! गिर रहे हैं!
शार्की! शार्की हमारे पीछे आ रही है!
हम मानसिक शक्ति से उड़ रहे हैं! और तुम चिल्लाकर मेरा ध्यान तोड़ रहे हो साइक्रो!
प्लीज, चिल्लाओ मत!
नहीं! चिल्लाऊंगा! नहीं! चिल्लाऊंगा!

अगर ये पानी में होती तो मैं इसको पानी से निकालकर मार देता। लेकिन ये तो पहले से ही पानी से बाहर है!
अब इसको कैसे मारूं?
अगर ये पानी से बाहर जिन्दा है तो शायद पानी में जिन्दा न रह पाए!
पर यहां पर पानी आएगा कहां से?
आएगा! आएगा!
छोटा नागराज के इशारे पर बादलों का हुजूम आकाश से नीचे उतरकर शार्की को घेरने लगा-
साइब्रो! रुक जाओ!
ये ले! आऽऽऽह! एक किक भी खा!
छोटा नागराज! मुझे गिराना मत!
शार्की तड़प रही है! देखा साइब्रो का आइडिया!
अब देख! बिल्लारा को तूने मारा था! इसको मैं मारूंगा!
गिराना मत!
शार्की ने साइब्रो को निगल लिया है! और अब वह पिटारे में वापस जा रही है!
साइब्रो!

मैं साइब्रो को मुसीबत में नहीं छोड़ सकता! मुझे उसके पीछे जाना होगा!
उसको बचाना होगा!
छोटा नागराज भी शार्की के खुले मुंह में घुस गया-
और शार्की खुद वापस पिटारे में जा घुसी-
हाहाहा! पिटारे के मालिक महानायक से कोई जीत नहीं सकता!
ये पिटारा तुम्हारा नहीं है!
मेरा है!
एक और नया कैरेक्टर!
अब तुम कौन हो भई?
तुम पिटारे से जुड़े हुए हो! इसीलिए तुमको यह समझने में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी कि मैं कौन हूं!
मैं इस पिटारे का मालिक हूं! इसका रचयिता हूं!
अच्छाऽऽऽ ऐसा है तो पिटारा तुम्हारे पास न होकर मेरे पास कैसे है?
मैं देवलोक का एक गण हूं! रानी भानुमति की पूजा से प्रसन्न होकर मैंने ये पिटारा अपनी शक्तियां देकर बनाया था! उसका राज्य इसी पिटारे के कारण कई आक्रमणकारियों से सुरक्षित भी रहा!
लेकिन उस भूकंप से रानी और उसके राज्य को नहीं बचा पाया जिसने पिटारे सहित पूरे राज्य को धरती के गर्भ में दफन कर दिया! सैकड़ों वर्षों तक मैं उस स्थान को ढूंढता रहा! और आखिरकार मेरी मदद से तुम्हारे पिता ने उसे ढूंढ ही निकाला!
लेकिन तुमने तो पिटारा दे दिया! अब इसे वापस लेकर तुम करोगे क्या?
मैं अपनी शक्तियां देने के बाद, पल प्रतिपल उम्र में छोटा होता जा रहा हूं!
कुछ ही समय बाद मैं भ्रूण बनकर धूल में मिल जाऊंगा!

अब सिर्फ पिटारे में समाई मेरी शक्ति ही मुझे बचा सकती है!
पर ये पिटारा तो तुमसे छुप रहा है!
हां! क्योंकि ये जानता है कि मेरे पास आने के बाद इसका अस्तित्त्व खत्म हो जाएगा! इसकी शक्तियां मैं ले लूंगा! और ये अपने आपको बचाना चाहता है!
यानी मेरे पास ही रहना चाहता है! फिर तो ये मेरे पास ही रहेगा!
तो फिर तू नहीं रहेगा!
आक! पिटारा शक्ति दो!
एक ही जैसी दो अद्भुत शक्तियां एक-दूसरे से टकरा रही थीं-
लेकिन दम नागराज का घुट रहा था-
आऽऽऽह! पूरा शरीर ऐंठ रहा है! कोई शक्ति मुझे कपड़े की तरह निचोड़ रही है!
और वह शक्ति मुझे नजर भी नहीं आ रही है!
पर ये शक्ति है क्या?

मैं समझ गया! ये चादर की शक्ति है! ये अंधेरा भी चादर का अंधेरा है, और ये ऐंठन भी चादर की ही ऐंठन है!
परन्तु अगर ऐसा है तो बाहर जाने का रास्ता नजर क्यों नहीं आ रहा है!
वह रास्ता मुझे ढूंढ़ना ही होगा और उसको ढूंढ़ने का एक ही तरीका है!
मुझको बाहरी दुनिया में मौजूद अपने जासूस सर्पों से संपर्क स्थापित करना होगा। और उनके संकेत जिस दिशा से आएंगे, उसी दिशा में जाना होगा!
क्योंकि उसी दिशा में मुझको मिलेगा बाहर जाने का रास्ता!
जल्दी ही नागराज को संकेत मिलने लगे-
संकेत उस दिशा से आ रहे हैं!
यहां पर एक द्वार की रूप रेखा नजर आ रही है!
नागराज ने गति बढ़ाई-
और वह उस द्वार को चीरता हुआ-
पार निकल गया-
आऽऽऽह! मेरा वस्त्र फट गया! असंभव! तूने वस्त्र के अंधकार से बाहर निकलने का रास्ता कैसे ढूंढ़ लिया नागराज?

मेरी अधिकतर शक्तियां पिटारे ने छीन लीं और रही-सही शक्तियों वाली मेरी चादर को तूने नष्ट कर दिया! अब मेरे अंदर पिटारे को हासिल करने लायक शक्तियां नहीं हैं!
और पिटारे के बगैर मैं जीवित नहीं रह सकता!
अरे! ये तो बहुत तेजी से छोटा होता जा रहा है! पर क्यों?
इसके मरने का यही तरीका है!
लोग बूढ़े होकर मरते हैं! और ये भ्रूण बनकर मरने जा रहा है!
लेकिन इस दौरान मुझे पूरे महानगर से अपने पापा की अपमान भरी जिन्दगी का बदला लेने का एक जबरदस्त आइडिया आ गया है!
पिटारा! खोल पिटारा और बंद कर ले महानगर को!
अरे! ये क्या हो रहा है! पूरे महानगर की इमारतें ऐसे झिलमिला रही हैं, जैसे... जैसे...
... जैसे कि ये गायब हो रही हों! पूरा महानगर गायब हो गया है! और पिटारे के अंदर पहुंच गया है! क्या चीज है ये पिटारा?
ये भानुमति का पिटारा है! इसमें सबकुछ समा सकता है! और इससे सबकुछ पैदा हो सकता है! ये पूरा एक ब्रह्मांड है, नागराज!

और अगर इस ब्रह्मांड में तुम नहीं होगे तो ये ब्रह्मांड बहुत सूना-सूना सा लगेगा!
आऽऽऽह! ये भी पिटारे की पैदाइश लगता है! इसीलिए इसकी पकड़ इतनी मजबूत है जिससे कि मैं छूट नहीं पा रहा हूं!
तंतूरा! ले आ नागराज को हमारे साम्राज्य की सीमा में!
अगर मैं इच्छाधारी कणों में बदला तो पल-भर में पिटारा मुझको खींच लेगा!
तो फिर आजाद हो जाओ नागराज!
अगर इसकी पकड़ पलभर के लिए भी ढीली हो जाए तो मैं आजाद हो जाऊंगा।
अभी इस पर ध्यान दो नागराज!
वैसे जैसा मेरा काम है वैसा ही मेरा नाम है! फ्लेमिना!
नागराज का यह आत्मविश्वास-
अरे! तुम तो एक बच्ची हो! लेकिन तुम्हारा ये रूप कैसे?
पिटारा बाहर से जितना खतरनाक था-
उतना ही अंदर से भी था-
ठीक है फ्लेमिना! मुझे लगता है कि हम तुम मिलकर तंतूरा पर जल्दी ही काबू पा लेंगे!
जल्दी ही अति आत्मविश्वास में बदलने वाला था-
आऽऽऽह! इसके एक तंतु को काटो तो पेड़ की जड़ों की तरह उगकर दूसरा तंतु पीछे से वार करता है! यह तो तेजी से उगता एक पेड़ लगता है!
ये हम कहां आ गए हैं छोटा नागराज?

ये तो कोई और ब्रह्मांड लगता है!
चारों तरफ शून्य में हर आकार प्रकार के बक्से, ग्रहों और तारों की तरह किसी अदृश्य शक्ति से आपस में बंधे तैर रहे हैं!
हां! ये सब पिटारे हैं!
और इनमें से हर पिटारे के अंदर एक अद्भुत शक्ति है!
तुम! तुम कौन हो?
हूम! अपनी भाषा में तुम मुझे 'नेविगेटर' कह सकते हो! मार्गदर्शक! मैं इस ब्रह्मांड का मार्गदर्शक हूं!
पिटारे का मालिक जो कुछ भी पिटारे में रखने के लिए भेजता है, या पिटारे से मांगता है, उसे समुचित स्थान पर मैं ही पहुंचाता हूं।
ये देखो! अभी, अभी मालिक ने एक और वस्तु किसी नए पिटारे में रखने के लिए भेजी है!
ये तो... ये तो... महानगर है! हमारा शहर! हमारा घर!

इस शहर को तू कहीं नहीं ले जाएगा!
रख इसको यहीं पर और इसको अपनी पुरानी जगह पर वापस भेज!
अब मैं चलता हूं!
इसको रोको छोटा नागराज क्योंकि इसकी मदद के बिना हम यहां से निकल नहीं सकते!
अरे! मैं तो इसके आर-पार निकल गया!
मैं सिर्फ एक छाया हूं! मुझे तुम छू नहीं सकते! और न ही कोई नुकसान पहुंचा सकते हो!
पर मैं इसको रोकूं कैसे? अपनी सारी पॉवर लगाने के बावजूद भी मैं इसकी स्पीड को मैच नहीं कर सकता!
अब यहां से बाहर जाने का कोई भी रास्ता हमको खुद तलाशना होगा!
यहां पर तो पिटारों के अलावा कुछ भी नहीं है! अगर बाहर निकलने का कोई रास्ता है तो वह इन पिटारों के अंदर से ही होकर जाता होगा!
हमको इन पिटारों में से ही कोई पिटारा अंदाजा लगाकर चुनना होगा!
ये पिटारा दरवाजे जैसा लग रहा है! शायद इसके अंदर हमको रास्ता मिले!
संभलकर खोलना साइब्रो!
आऽऽऽह!
इस पिटारे में तो... एक बड़ा सा सूर्य है!
आऽऽऽह! थैंक्स छोटा नागराज!
वर्ना अभी मैं साइब्रो से...
...रोस्टेड साइब्रो बन जाता!

अजीब मुसीबत है! बिना पिटारे को खोले हम बाहर नहीं आ सकते, और पिटारा खोलने पर क्या निकलेगा ये हम जान नहीं सकते!
काश किसी पिटारे में चाऊमीन, बर्गर या पिज्जा का स्टाल निकल आए! मेरे पेट में चूहे दौड़ रहे हैं!
फिर क्या करूं? वो बड़ा वाला पिटारा खोलूं? वो विशाल पिटारा!
नहीं, नहीं साइक्लो! रुक जाओ! अभी हमको मुसीबत घटानी है! बढ़ानी नहीं है!
मैं मानसिक शक्तियों से इन पिटारों के अंदर मौजूद वस्तुओं का पता लगाने की कोशिश करता हूं!
अभी तो हम खुद वो चूहे हैं जो भानुमति के पिटारे के पेट में दौड़ रहे हैं! अगर जल्दी ही हम बाहर नहीं निकल पाए तो ये पिटारा हमारे साथ-साथ महानगर और फिर शायद सारी दुनिया को पचा जाएगा!
न तो पिटारे के अंदर की मुसीबतों का अंत था-
और न ही बाहर की मुसीबतों का-
आऽऽऽह!
फ्लेमिना!
ये हवा से वार कर रहा है और अब आसपास सर्प-रस्सी अटकाने के लिए कोई जगह नहीं है! मुझे ये लड़ाई जमीन से ही लड़नी होगी!
लेकिन लड़ाई कभी भी नीचे के स्थान से जीती नहीं जा सकती है-
आह! तंतुरा ने अपने तंतुओं को मेरे शरीर में घुसा दिया है! और यहीं पर ये जानलेवा गलती कर गया है!

ये जरूर मेरे खून को चूसकर मुझे मारने की कोशिश करेगा और मेरा विषैला रक्त पीकर गल जाएगा!
ये तंतुरा की शक्ति नहीं है नागराज!
तंतुरा जिसके शरीर में अपने तंतु घुसाता है...
... वह उसके रूप और शक्तियों की नकल कर लेता है! और वह भी दोगुना बढ़ाकर!
हे देव कालजयी! अब इसके पास मेरी शक्तियां हैं! और वे भी मुझसे दो गुना ज्यादा!
अब मैं इससे किसी भी हालत में नहीं जीत सकता!
अब तो एक ही रास्ता है! मुझे इस बच्चे के पास से पिटारा छीनकर, पिटारे पर कब्जा करना होगा! तब शायद तंतुरा भी मेरे वश में आ जाएगा!
आ गया पिटारा मेरे हाथ में! लेकिन ये मुझे.... आऽऽऽह!
पिटारा फिर से इसके हाथ में चला गया है!
पिटारा इसके ही पास रहने के लिए विवश है! पर क्यों?
अरे! इसकी कलाई पर ये अद्भुत सा प्राचीन कड़ा कैसा है? कहीं यही इसकी असली ताकत तो नहीं है!

कड़े को इससे अलग करना होगा! लेकिन ये हवा में है!
मैं इसके कड़े तक पहुंचूंगा कैसे? अरे!
मैं तुमको उस कड़े तक पहुंचाऊंगी नागराज!
तुम कड़े पर ध्यान दो और मैं तंतुरा का तंदूर बनाती हूं!
धन्यवाद फ्लेमिना!
पिटारे के अंदर-
इसको खोलूं?
नहीं, नहीं! इसमें तो पूरी एक आकाशगंगा बंद है!
यार, हम सैकड़ों पिटारे छान चुके हैं! किसी में कुछ है तो किसी में कुछ और! बाहर जाने का रास्ता कहां है?
ये तरीका ठीक नहीं है! अभी हमने सैकड़ों पिटारे छाने हैं और यहां पर अरबों पिटारे हैं!
फिर क्या करें? मेरा कंप्यूटर ज्ञान तो किसी काम आएगा नहीं!
सारे पिटारे छानने में तो दस जन्म गुजर जाएंगे!
कंप्यूटर! कहीं ये...?
क्या ये?
कहीं ये पिटारा एक कंप्यूटर की तरह तो काम नहीं कर रहा है?
पिटारा और कंप्यूटर एक जैसे हैं? वो कैसे?
देखो, साइबो! ये पिटारे 'फाइलों' की तरह हैं जिनमें अलग-अलग मैटर भरा हुआ है! ये विशाल पिटारे वे प्रोग्राम हैं जो इन फाइलों को इधर-उधर करते हैं! और नेविगेटर उस कमांड की तरह है जो आदेश मिलते ही एक प्रोग्राम को या तो 'सेव' कर लेता है या 'ओपन' कर देता है!
बाई गॉड! तू सही कह रहा है यार! ये तो एक विशाल, एक ह्यूज कंप्यूटर सिस्टम है! और अगर ये एक कंप्यूटर सिस्टम ही है...

तो फिर इसमें ऐसा भी कोई एक प्रोग्राम जरूर होगा जो इस पूरे चलते सिस्टम को 'शट' कर दे! और सिस्टम के 'शट' होते ही,यानी बंद होते ही पिटारों की शक्ति खत्म हो जाएगी! लेकिन उसके बाद हमारा क्या होगा ये तो मैं भी नहीं जानता!
हमारा कुछ भी हो, कम से कम ये पिटारा और लोगों के लिए तो खतरा नहीं रहेगा! ये काम हमको करना ही पड़ेगा!
पर ये होगा कैसे? हम उस खास प्रोग्राम को ढूंढेंगे कैसे?
हम नहीं, तुम ढूंढोगे साइब्रो!
मैं अपनी मानसिक तरंगों की मदद से तुम्हारे और पिटारे के सिस्टम के बीच में कनेक्शन बनाता हूं और तुम उस प्रोग्राम को ढूंढोगे!
ठीक है! अगर ऐसा कोई प्रोग्राम मेरा मतलब पिटारा है तो मैं उसे ढूंढ निकालूंगा!
साइब्रो तेजी से सिस्टम के प्रोग्रामों और फाइलों को ढूंढता हुआ आगे बढ़ रहा था-
और भानुमति के पिटारे का सिस्टम भी उसकी तेज नजरों से बच नहीं पा रहा था-
मिल गया! मुझे वह पिटारा मिल गया, जिससे सिस्टम को शट किया जा सकता है!
अब मैं सिस्टम को 'शट' करने जा रहा हूं! फिर पता नहीं हम बचेंगे या नहीं!
बचोगे!
क्योंकि 'नेविगेटर' तुमको ये सिस्टम बंद करने नहीं देगा!
ओह! ये मेरे कमांड को ब्लॉक कर रहा है!

मेरे रहते ऐसा नहीं होगा!
तुम मुझे किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचा सकते!
पिटारे के अंदर हो रही गड़बड़ का असर अब बाहर भी नजर आने लगा था-
पिटारा! और शक्ति दो!
ये... ये क्या हो रहा है? पिटारा कोई रेस्पांस क्यों नहीं दे रहा है?
ये कड़ा तो इसकी कलाई पर बुरी तरह से कसा हुआ है!
ये जरा सा और ढीला हो जाए तो मैं इसको खींच सकता हूं!
फ्लेमिना! कड़े पर आग छोड़ो!
ये कड़ा अनश्वर है! आग भी इसे गला नहीं सकती है नागराज!
मैं इसे गलाने की कोशिश कर भी नहीं रहा हूं! मैं सिर्फ इसे गर्म कर रहा हूं!
क्योंकि धातुएं गर्मी पाकर बढ़ती हैं! इस कड़े का आकार भी बढ़ेगा!
और आकार बढ़ने से कड़ा इतना ढीला हो जाएगा...
...कि मैं इसको खींच सकूंगा!
सलिल के शरीर से कड़े के अलग होते ही-
ओह! मेरी शक्तियां खत्म हो गई हैं! मैं गिर रहा हूं!
घबराओ मत! मैं अपने दोस्तों को नुकसान नहीं पहुंचने दूंगी!
दोस्त! मैं तुम्हारा दोस्त कैसे हो गया?
कौन हो तुम?
तंतूरा भी पिटारे में समा रहा है! लेकिन पिटारा भाग रहा है!

इसको पकड़ना होगा! ताकि ये किन्हीं गलत हाथों में न पड़ जाए!
पिटारे की अपने अस्तित्व को बचाए रखने की ये भागदौड़-
जल्दी ही समाप्त होजाने वाली थी-
मैंने कहा न बच्चे कि तुम मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकते!
पिटारे के अंदर मेरा राज चलता है! और अब मुझ पर हुक्म चलाने वाला कोई भी नहीं है!
आऽऽऽह!
साइब्रो! मैंने इससे भी मानसिक संपर्क बना लिया है!
और ये भी सिर्फ एक प्रोग्राम है! इसको नष्ट कर दो!
तब तो मुझे एक साथ दो-दो प्रोग्रामों को नष्ट करना पड़ेगा! पता नहीं मैं ऐसा कर पाऊंगा या नहीं!
मैंने ऐसा पहले कभी नहीं किया है!
ब्रह्मांड को बचाना है तो तुम जैसे सुपर हीरो को काम करना ही पड़ेगा गुरू!
सुपर हीरो! तब तो मैं ये काम जरूर करूंगा!
अभी एक फटाफट प्रोग्राम बनाता हूं!
आर्रर्रघ! ये क्या है? मैं खत्म कैसे हो रहा हूं?
सिर्फ तुम ही नहीं ये पूरा सिस्टम ही खत्म हो रहा है!
क्योंकि मैंने सिस्टम को 'शट' करनेका कमांड दे दिया है!
आऽऽऽह! ये हमने क्या कर डाला, चेले!
यहां पर ब्लैक होल जैसी कोई चीज खुल गई है!
और सारी फाइलों... मतलब पिटारों के साथ-साथ हम भी उधर खिंचते जा रहे हैं!

और बाहर-
अरे! पिटारा तो एक धमाके के साथ चूर-चूर हो गया है!
और... और पूरा महानगर फिर से वापस आ गया है!
मेरी शक्तियां भी वापस आ गई हैं नागराज!
पर... पर ये हुआ कैसे?
यह तो मुझे भी नहीं पता! ये जरूर किन्हीं देवदूतों का काम होगा!
अब मैं चलता हूं! मेरा काम पूरा हो गया है! विदा!
इसे बता तो दे कि वो देवदूत हम हैं!
चुप्प! वहां पर नागराज भी है! नागराज के सामने गए तो वह एक सेकंड में हमें पहचान लेगा! फिर न रहेगा साइक्लो और न रहेगा छोटा नागराज!
हाय री किस्मत! ऑल वर्क, नो क्रेडिट!
सलिल! सलिल!
पापा! आप जिन्दा हैं! पर आप कहां चले गए थे?
कहीं नहीं! लुटेरों की गोली मेरे सिर को छूती हुई निकल गई थी! उनसे बचने के लिए मैं एक जगह पर छुप गया और दो दिनों तक बेहोश रहा!
फिर पास के गांव वालों की मुझ पर नजर पड़ी और उन्होंने मुझे बचाया!
पर यहां पर क्या हो रहा था?
जो भी हो रहा था, पापा! पर आज के बाद से मैं आपको बेवकूफ नहीं समझूंगा!
और मैं भी कानून से तुम्हें बचाने की पूरी कोशिश करूंगा! आखिर बच्चों से गलतियां तो होती ही रहती हैं!

समाप्त